# टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

**E**
**Batch-2020-2023**

## एम्. ए. हिंदी

**परीक्षा : दिसंबर – २०२३**

**प्रथम वर्ष**

**सत्र – १**

**विषय : विशेष साहित्यकार – प्रेमचंद (भाग – १) (HC - 102)**

**दि.: २०/१२/२०२३** **कुल अंक : १००** **समय : दो. २.०० से दो. ५.००**

**सूचनाएँ :** १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

---

**प्र. १** उपन्यासकार प्रेमचंद जी की जीवनी, उनका जीवन दर्शन एवं साहित्य सृजन की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

**प्र. २** उपन्यास लेखन की परंपरा में उपन्यासकर प्रेमचंद जी के योगदान को स्पष्ट कीजिए ।

**प्र. ३** 'गोदान' उपन्यास की कथावस्तु की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

**प्र. ४** 'गोदान' उपन्यास में चित्रित समस्याओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए ।

**प्र. ५** 'गोदान' उपन्यास में चित्रित सामाजिक स्थिति को रेखांकित कीजिए ।

**प्र. ६** 'गबन' की कथावस्तु की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

**प्र. ७** 'गबन' उपन्यास में अभिव्यक्त समस्याओं को विवेचित कीजिए ।

**प्र. ८** 'रमानाथ का स्वभाव ही उसकी समस्याओं की जड़ है' 'गबन' उपन्यास के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

**प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की स-संदर्भ व्याख्या कीजिए ।**

१) धन मेरे लिए बढ़ने और फलने फूलने वाली चीज़ नहीं है, केवल साधन है ।

२) भगवान, आदमी मुँह से बात कहकर इतनी बेसरमी से मुकर जाता है ?

३) जो बात जिंदगी भर नहीं की, वह अब आखरी वक्त नहीं कर सकता ।

४) पुरुष मन का हो तो स्त्री उसके साथ उपवास करके भी प्रसन्न रहेगी ।

**प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।**

१) होरी

२) प्रेमचंद जी के उपन्यासों में नारी

३) जालपा

४) 'गबन' उपन्यास का उद्देश्य ।

---